Q.1) भारत के भूवैज्ञानिक इतिहास के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. पन्ना और गोलकोंडा हीरे, विंध्य चट्टानी प्रणाली से संबंधित हैं।
2. रेगुर मिट्टी कुडप्पा चट्टान प्रणाली से संबंधित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.1) Solution (a)

Basic Information:

- भूवैज्ञानिक रूप से भारतीय चट्टानी प्रणाली को चार प्रमुख डिवीजनों में विभाजित किया जा सकता है।

1. आर्कियन चट्टानी प्रणाली (लगभग 4000-1000 मिलियन वर्ष पहले)
2. पुराण चट्टानी प्रणाली (1400-600 मिलियन वर्ष पूर्व)
3. द्रविड़ियन चट्टानी प्रणाली (600-300 मिलियन वर्ष पहले)
4. आर्यन चट्टानी प्रणाली (300 मिलियन साल पहले वर्तमान समय तक)

- आर्कियन प्रणाली सबसे प्राचीन है तथा उनमें दो समूह शामिल हैं 1. आर्कियन समूह ऑफ नीस एंड शिस्ट्स और 2. धारवाड़ प्रणाली।
- पुराण प्रणाली में दो प्रमुख समूह शामिल हैं 1. कुडप्पा प्रणाली और 2. विंध्य प्रणाली।
- द्रविड़ प्रणाली अधिकतर अतिरिक्त-प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में पाई जाती है और इनमें प्रचुर मात्रा में जीवाश्म होते हैं। कैम्ब्रियन, ऑर्डोविशियन, सिलुरियन, डेवोनियन और कार्बोनिफेरस काल की चट्टानें द्रविड़ियन प्रणाली में शामिल हैं।
- आर्यन चट्टानी प्रणाली सबसे नयी है तथा इसमें गोंडवाना चट्टानी प्रणाली, ट्रीयासिक प्रणाली, जुरासिक प्रणाली, तृतीयक प्रणाली (Eocene, Oligocene, Miocene and Pleistocene) और काकेशियस प्रणाली शामिल हैं। प्रायद्वीपीय ब्लॉक का डेक्कन ट्रैप इसी अवधि के अंतर्गत आता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
ऊपरी विंध्य स्तर में दो हीरे धारक वाले क्षितिज (diamond bearing horizons) हैं, जिनसे पन्ना और गोलकोंडा हीरे का खनन किया गया है।	बेसाल्ट दक्कन ट्रैप की मुख्य चट्टान है। इस चट्टान के अपक्षय ने रेगुर को जन्म दिया, जिसे काली कपास की मिट्टी के रूप में जाना जाता है।

Q.2) भारत के पूर्वी तटीय मैदानों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य सही है / हैं?

1. उनके पास पश्चिमी तटों की तुलना में अधिक प्राकृतिक बंदरगाह हैं।
2. उनके पास पश्चिमी तटों की तुलना में व्यापक और बड़े डेल्टा हैं।
3. वे उभरते हुए तटों (emergent coasts) के उदाहरण हैं।

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 2
b) केवल 3

c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.2) Solution (c)

Explanation:

भारत में तटीय मैदान:

- भारतीय तटरेखा 7516.6 किमी लंबी है, जो अंडमान, निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह के साथ 6100 किमी मुख्य भूमि के तट को कवर करती है।
- भारत में तटीय मैदान पूर्वी और पश्चिमी तटीय मैदानों में विभाजित हैं।
- पश्चिमी तटीय मैदान अरब सागर के किनारे हैं जबकि पूर्वी तटीय मैदान बंगाल की खाड़ी के साथ स्थित हैं।
- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर गोंडवानालैंड के विघटन के बाद क्रेटेशियस या आरंभिक तृतीयक काल के दौरान अस्तित्व में आए।

पूर्वी तटीय मैदान:

- उत्तर में पश्चिम बंगाल से लेकर दक्षिण में तमिलनाडु तक पूर्वी तटीय मैदान फैला हुआ है तथा आंध्र प्रदेश और ओडिशा से होकर गुजरता है।
- महानदी, कृष्णा, गोदावरी और कावेरी नदियों के डेल्टा पूर्वी तटीय मैदान में मौजूद हैं।
- पूर्वी तट को फिर से तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है:
    - उत्कल तट: चिलिका झील और कोलेरु झील के बीच का विस्तार।
    - आंध्र तट: कोल्लेरू झील और पुलिकट झील के बीच का विस्तार।
    - कोरोमंडल तट: कोरोमंडल तट तमिलनाडु में पुलिकट झील और कन्याकुमारी के बीच फैला हुआ है।
- पूर्वी तटीय मैदान उभरते प्रकार (emergent type) के हैं।
- बड़े डेल्टाओं की उपस्थिति के कारण इसमें प्राकृतिक बंदरगाह की संख्या कम है।

पश्चिमी तटीय मैदान:

- पश्चिमी तट पट्टी उत्तर में कैम्बे की खाड़ी (खंभात की खाड़ी) से केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) तक फैली हुई है।
- इसमें निम्नलिखित में बांटा गया है
    - कोंकण तट,
    - कर्नाटक तट और
    - केरल तट
- पश्चिमी तटों में पूर्वी तट की तुलना में बहुत कम डेल्टा हैं। बल्कि, पश्चिमी तट में मौजूद ज्वारनदमुख, क्रीक और छोटी खाड़ी (coves) प्रमुख भू-भाग हैं।
- पश्चिमी तट का प्रमुख भाग जलमग्न प्रकार (submergent type) का है।
- उनके पास अधिक प्राकृतिक बंदरगाह हैं।

Q.3) निम्नलिखित पहाड़ियों / पर्वतमाला को दक्षिण से उत्तर की ओर व्यवस्थित करें।

1. शेरावॉय पहाड़ियाँ
2. नल्लामला पहाड़ियाँ
3. पालकोंडा श्रेणी
4. जावड़ी पहाड़ियाँ

सही कूट का चयन करें?

a) 1-4-3-2
b) 1-4-2-3
c) 2-3-1-4
d) 3-2-1-4

Q.3) Solution (b)

Explanation:

सही क्रम (दक्षिण से उत्तर तक)

- शेवरॉय पहाड़ियाँ
- जावड़ी पहाड़ियाँ
- पालकोंडा श्रेणी
- नल्लमाला पहाड़ियाँ

नीचे मानचित्र देखें

Q.4) हिमालय अभी भी अपने युवा अवस्था में है और अभी भी बढ़ रहा है। निम्नलिखित में से कौन सा प्रमाण दर्शाता है कि हिमालय अभी भी बढ़ रहा है?

1. तिब्बती पठार में भी, शिवालिक पहाड़ियों के जीवाश्म रूप पाए जाते हैं
2. हिमालय में भूकंप की घटना
3. हिमालय के तराई क्षेत्रों में घाटी के किनारों पर पाए जाने वाले क्रमिक रूप से बढ़ते क्षेत्र (Terraces)

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1, और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.4) Solution (d)

Explanation:

हिमालय के उत्थान की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है और यह अभी भी प्रक्रिया में है। निम्नलिखित प्रमाणों से यह सिद्ध किया जा सकता है कि हिमालय अभी भी बढ़ रहा है।

- शिवालिक पहाड़ियों और तिब्बत पठार में पाए जाने वाले कुछ जीवाश्म प्रारूप दोनों क्षेत्रों में अतीत में समान जलवायु परिस्थितियों का संकेत दे रहे हैं। तिब्बती पठार तब से अपनी वर्तमान ऊँचाई तक बढ़ा है।
- भूकंपों का बार-बार आना यह दर्शाता है कि हिमालय ने अभी तक आइसोस्टैटिक संतुलन प्राप्त नहीं किया है और उनका अभी भी उठना जारी है।
- हिमालयी नदियों का युवा चरण
- घाटी के किनारों पर पाए जाने वाले क्रमिक रूप से बढ़ते क्षेत्र (Terraces), उत्थान के कारण घाटी क्षेत्र के पुनर्यूवीकरण का सुझाव देती है।

Q.5) भारत में मरुस्थलों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुमेलित है / हैं?

	शब्द	**अर्थ**
1.	धीरन (Dhrian)	भूमि का उपजाऊ क्षेत्र
2.	रोही (Rohi)	स्थानांतरित होते हुए रेत के टीले
3.	बागर (Bagar)	अर्ध-शुष्क मैदान
4.	थाली (Thali)	रेतीले मैदान

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3 और 4
c) केवल 1, 2 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.5) Solution (b)

Explanation:

भारत में मरुस्थल को थार मरुस्थल या महान भारतीय मरुस्थल कहा जाता है।

राजस्थान मरुस्थल की कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- इस क्षेत्र में कम वनस्पति आवरण के साथ एक शुष्क जलवायु है। सामान्य तौर पर, मरुस्थल का पूर्वी भाग चट्टानी है, जबकि इसके पश्चिमी भाग में स्थानांतरित होते हुए रेत के टीलों को स्थानीय रूप से '**धीरन**' के रूप में जाना जाता है।
- **बागर:** यह मरुस्थली क्षेत्र के अर्ध-शुष्क मैदान को संदर्भित करता है जो अरावली के पश्चिम में है। बागर में रेत की एक पतली परत होती है। यह दक्षिण में लूनी द्वारा सींचा जाता है जबकि उत्तरी भाग में कई नमकीन झीलें हैं।
- राजस्थानी बागर क्षेत्र में कई छोटी मौसमी धारा-प्रवाह हैं जो अरावली से निकलती हैं। ये धाराएं **रोही** नामक कुछ उपजाऊ पैच में कृषि का समर्थन करती हैं।

- सबसे महत्वपूर्ण नदी 'लूनी' एक मौसमी धारा-प्रवाह है। लूनी के उत्तर में स्थित क्षेत्र को **थाली** या रेतीले मैदान के रूप में जाना जाता है।

Q.6) छोटानागपुर पठार में अपवाह तंत्र किस प्रकार के अपवाह तंत्र का एक उदाहरण है?

a) जालीदार अपवाह तंत्र (Trellised drainage pattern)
b) वृक्षाकार अपवाह तंत्र (Dendritic drainage pattern)
c) अभिकेंद्रीय अपवाह तंत्र (Centripetal drainage pattern)
d) अरीय अपवाह तंत्र (Radial drainage pattern)

Q.6) Solution (d)

Explanation:

छोटानागपुर पठार में ऊंचाई के विभिन्न स्तरों पर खड़े पठारों की एक श्रृंखला है। लगभग 1100 मीटर की सबसे अधिक ऊँचाई मध्य-पश्चिमी भाग में है, जिसे पैटलैंड्स (Patlands)- उच्च स्तरीय लेटराइट पठार के नाम से जाना जाता है। यहां से, भूमि सभी दिशाओं में सीढ़ियों की श्रृंखला में उतरती है, जो नदियों में झरने द्वारा चिह्नित होती हैं। पठार को कई नदियों और विभिन्न दिशाओं में प्रवाहित किया जाता है और एक अरीय अपवाह तंत्र प्रस्तुत करता है।

Q.7) हरंगी, हेमावती और कबानी, भारत की निम्नलिखित नदियों में से किसकी सहायक नदियाँ हैं?

a) गोदावरी
b) महानदी
c) कावेरी
d) कृष्णा

Q.7) Solution (c)

Basic Information:

नदी का नाम	प्रमुख सहायक नदियाँ
गंगा	अलकनंदा, पिंडर, मंदाकिनी, धौलीगंगा, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी।
यमुना	चंबल, केन, सिंध, बेतवा।
सिंधु	रावी, चिनाब, ब्यास, झेलम, सतलुज।
महानदी	इब, मंद, हसदो, श्योनाथ, ओंग, जोंक, तेल
गोदावरी	मंजरा, पेनगंगा, वेनगंगा, वर्धा, इंद्रावती, सबरी
कृष्णा	कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी
कावेरी	हरंगी, हेमवती, शिखा, अर्कवती, लक्ष्मण तीर्थ, कबानी, अमरावती
नर्मदा	हिरन, बरना, कोलार, बरहर, बंजर, शर, तवा, कुंडी
तापी	पूर्णा, बैतूल, पाटकी, गंजल, दथारंज, बोकाड,

Q.8) राष्ट्रीय जलमार्ग 4, निम्नलिखित दो नदियों में से किस पर विकसित किया जा रहा है?

a) कृष्णा और महानदी
b) कृष्णा और गोदावरी
c) महानदी और ब्राह्मणी
d) कावेरी और गोदावरी

Q.8) Solution (b)

Basic Information:

जलमार्ग	पथ
राष्ट्रीय जलमार्ग 1	इलाहाबाद - हल्दिया गंगा सीमा
राष्ट्रीय जलमार्ग 2	सदिया डुबरी ब्रह्मपुत्र सीमा
राष्ट्रीय जलमार्ग 3	कोट्टापुरम-कोल्लम सीमा
राष्ट्रीय जलमार्ग 4	1. काकीनाडा-पुदुचेरी नहरों की सीमा और कालूवेल्ली टैंक। 'गोदावरी नदी की भद्राचलम-राजमुंदरी सीमा। 2. गाँव गलगली के पास पुल से-वज़ीराबाद-विजयवाड़ा, कृष्णा नदी।
राष्ट्रीय जलमार्ग 5	1. ब्राह्मणी नदी की तालचर-धामरा सीमा। 2. कोवन कैनाल की जियोंखाली-चारबतिया सीमा। 3. मतई नदी और महानदी डेल्टा नदियों की हरबतिया-धामरा सीमा

Q.9) 'नोरवेस्टर्स' को स्थानीय रूप से पूर्वी भारत में 'कालबैसाखी' के रूप में जाना जाता है, इसे असम में किस नाम से जाना जाता है?

a) लू
b) बारदोली छेरहा (Bardoli Chheerha)
c) ह्वांगटू (Hwangtu)
d) ब्लॉसन शॉवर (Blosson showers)

Q.9) Solution (b)

Basic Information:

ग्रीष्म ऋतु में भारत के प्रसिद्ध स्थानीय तूफान:

आम्र वर्षा (मैंगो शावर): ये मॉनसून-पूर्व की बौछारें हैं जो गर्मियों के अंत में होती हैं, जो केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में एक आम घटना है। स्थानीय रूप से, उन्हें आम्र वर्षा के रूप में जाना जाता है क्योंकि वे आम के जल्दी पकने में सहायता करती हैं।

ब्लॉसम शावर: इन्हें केरल के कुछ हिस्सों और आस-पास के इलाकों में कॉफी की बौछारों (coffee showers) के रूप में भी जाना जाता है।

नॉर्वेस्टर: ये बंगाल और असम में तूफानी शाम की आँधियाँ हैं। उनके कुख्यात स्वभाव को 'कालाबैसाखी' के स्थानीय नामकरण से समझा जा सकता है, जो बैसाख महीने की आपदा है। ये बौछारें चाय, जूट और चावल की खेती के लिए उपयोगी होती हैं। असम में, इन तूफानों को "बारडोली छेरहा" के रूप में जाना जाता है।

लू: पंजाब से बिहार तक दिल्ली और पटना के बीच उत्तरी मैदानी इलाकों में उच्च तीव्रता के साथ गर्म, शुष्क और दमनकारी हवाएँ।

Q.10) भारतीय जलवायु के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. देश में वर्षा मुख्य रूप से पर्वतीकृत (orographic) है।
2. भारतीय वर्षा सामान्यतः प्रकृति में मूसलाधार (torrential) होती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (c)

Basic Information:

भारत में मानसूनी वर्षा की मुख्य विशेषताएं हैं:

- दक्षिण पश्चिम मानसून चरित्र में मौसमी हैं, जिनमें से प्रमुख हिस्सा जून और सितंबर के बीच प्राप्त होता है।
- मानसूनी वर्षा बड़े पैमाने पर पर्वतीकृत है।
- समुद्र से बढ़ती दूरी के साथ वर्षा की मात्रा कम होती जाती है।
- वर्षा मूसलाधार रूप में होती है जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर अपवाह और मिट्टी का क्षरण होता है।
- वर्षा के वितरण में बड़े पैमाने पर स्थानिक भिन्नताएँ हैं। पश्चिमी राजस्थान में लगभग 12 सेमी से लेकर पश्चिमी तटीय मैदानों में 250 सेंटीमीटर से अधिक वार्षिक वर्षा होती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
• भारत में मानसूनी वर्षा बड़े पैमाने पर पर्वतीकृत है। • हिमालय, पश्चिमी घाट और अरावली भारत में वर्षा पैटर्न को नियंत्रित करने वाली प्रमुख पर्वतीय प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं। • हिमालय हिंद महासागर से नमी से भरी मानसूनी हवाओं को बाधित करता है तथा पूर्वोत्तर राज्यों और सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान में वर्षा का कारण बनता है। • पश्चिमी घाटों की हवा की ओर का हिस्सा 250 सेंटीमीटर से अधिक वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है जबकि हवा के विपरीत के अधिकांश हिस्सों में 60 सेंटीमीटर से कम वार्षिक वर्षा होती है।	भारतीय वर्षा मूल रूप से प्रकृति में मूसलाधार होती है। क्योंकि वर्षा ऋतु के 3-4 महीनों में अधिकांश वर्षा प्राप्त होती है।

Q.11) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा तैयार मानव विकास सूचकांक (HDI) देशों के विकास की तुलना करने के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा है। एचडीआई निम्नलिखित कारकों में से किसका संयुक्त सूचकांक है?

1. जीवन प्रत्याशा
2. किसी देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)।
3. प्रति व्यक्ति आय
4. स्वास्थ्य
5. शिक्षा

सही विकल्प चुनें:

a) 1 और 3
b) 1, 2, 4 और 5
c) 1, 3 और 5
d) उपरोक्त सभी

Q.11) Solution (c)

Explanation:

- मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय संकेतकों का एक संयुक्त सूचकांक है, जो मानव विकास के चार स्तरों में देशों को रैंक करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- एक देश उच्च एचडीआई स्कोर करता है जब जीवनकाल अधिक होता है, शिक्षा का स्तर अधिक होता है, और प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है।
- यह पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक और भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन द्वारा विकसित किया गया था तथा इसका उपयोग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा देश के विकास को मापने के लिए किया जाता है।

Q.12) भारत में एक मृदा समूह के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. वे मुख्य रूप से पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट और राजमहल पहाड़ियों के शिखर पर पायी जाती हैं।
2. वे लीचिंग की प्रक्रिया से निर्मित होती हैं।
3. यह मृदा समूह, भवन निर्माण के लिए अच्छी कच्ची सामग्री है।

उपरोक्त विशेषताएं, भारत में निम्नलिखित मृदा समूहों में से किसका सबसे अच्छा वर्णन करती हैं।

a) काली मिट्टी
b) जलोढ़ मिट्टी
c) लाल मिट्टी
d) लेटराइट मिट्टी

Q.12) Solution (d)

Explanation:

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारतीय मिट्टी को आठ प्रमुख प्रकारों में विभाजित किया है।

1. जलोढ़ मिट्टी
2. काली मिट्टी
3. लाल मिट्टी
4. लेटेराइट और लेटेरिटिक मिट्टी
5. वनीय और पर्वतीय मिट्टी
6. शुष्क और रेगिस्तानी मिट्टी
7. लवणीय और क्षारीय मिट्टी
8. पीटी और दलदली मिट्टी

भारत में लेटराइट मिट्टी की विशेषताएं:

- लेटेराइट मिट्टी उच्च तापमान और भारी वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक आद्र और शुष्क अवधि के साथ बनती है।
- लेटराइट मिट्टी लगभग 2.48 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करती है।
- गहन लीचिंग के कारण, लेटराइट मिट्टी में आमतौर पर उपजाऊ क्षमता की कमी होती है।
- वे मुख्य रूप से पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट और राजमहल पहाड़ियों के शिखर पर पायी जाती हैं।
- लेटराइट मिट्टी भवन निर्माण सामग्री में सबसे पसंदीदा होती है। इन मिट्टी को आसानी से कुदाल से काटा जा सकता है और ज्यादा मौसम से नहीं होती हैं। इसलिए, अनिश्चित काल तक टिकाऊ होती हैं।

Q.13) भारत में निम्नलिखित में से कौन से लघु औद्योगिक क्षेत्र (minor industrial regions) माने जाते हैं?

1. हुगली क्षेत्र
2. विशाखापत्तनम गुंटूर क्षेत्र
3. जयपुर-अजमेर क्षेत्र
4. इलाहाबाद-वाराणसी-मिर्जापुर क्षेत्र
5. कोल्लम-तिरुवनंतपुरम क्षेत्र

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 3 और 4
c) केवल 1, 2 और 5
d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.13) Solution (b)

Explanation:

भारत में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र:

मुंबई-पुणे औद्योगिक क्षेत्र, हगली औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलुरु-तमिलनाडु औद्योगिक क्षेत्र, गुजरात औद्योगिक क्षेत्र, छोटानागपुर औद्योगिक क्षेत्र, विशाखापट्टनम-गुंटूर औद्योगिक क्षेत्र, गुड़गांव-दिल्ली-मेरठ औद्योगिक क्षेत्र, कोल्लम-तिरुवनंतपुरम क्षेत्र।

भारत में लघु औद्योगिक क्षेत्र:

अंबाला-अमृतसर, सहारनपुर-मुजफ्फरनगर-बिजनौर, इंदौर-देवास-उज्जैन, जयपुर-अजमेर, उत्तरी मालाबार, मध्य मालाबार, आदिलाबाद-निजामाबाद, इलाहाबाद-वाराणसी-मिर्जापुर, भोजपुर-मुंगेर, कोरबा-बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई आदि।

Q.14) सिंधी, ओडिया और मैथिली, भारत में भाषाओं के किस परिवार से संबंधित हैं?

a) ऑस्ट्रिक (निषाद)
b) द्रविड़
c) इंडो-यूरोपियन (आर्यन)
d) चीनी-तिब्बती (किरात)

Q.14) Solution (c)

Basic Information:

प्रमुख भारतीय भाषाओं के बोलने वाले चार भाषा परिवारों से हैं:

भाषा परिवार	भाषाएँ
इंडो-यूरोपीय परिवार (आर्यन)	हिंदी, बंगाली, मराठी, उर्दू, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, राजस्थानी, सिंधी, मैथिली और ओडिया
द्रविड़ परिवार (द्रविड़),	कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम
ऑस्ट्रिक परिवार (निषाद)	कोल, मुंडारी, निकोबारी, खासी, संथाली, हो, बिरहोर
चीनी-तिब्बती परिवार (किरात)	नेपाली, बोडो, मणिपुरी

Q.15) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	शब्द	संबंध
1.	फेज़ेंडा (Fazendas) :	कॉफी भूमि
2.	कोल्खोज़ (Kolkhoz):	रबर वृक्षारोपण
3.	फ्रिगोरीफिकोस (Frigorificos):	बूचड़खाने

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

a) केवल 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.15) Solution (b)

Explanation:

- ब्राज़ील संसार का सबसे बड़ा कॉफ़ी निर्यातक है, और यह काकाओ के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक हुआ करता था। ब्राज़ील में कॉफी कृषि भूमि को '**फ़ज़ेंडा**' कहा जाता है।
- रबर वृक्षारोपण अमेज़न के उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में किया जाता है। ब्राजील में **मानौस (Manaus)** ब्राजील का रबर संग्रह केंद्र है।
- रोसारियो और ब्यूनस आयर्स ने बूचड़खानों को अच्छी तरह से विकसित किया है जिन्हें '**फ्रिगोरीफिकोस (Frigorificos)**' कहा जाता है।
- **कोल्खोज,** सोवियत संघ (रूस) में एक प्रकार की सामूहिक खेती थी।

Q.16) जल संचयन विधियों (water harvesting methods) के संबंध में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें

	जल संचयन विधि	स्थान
1.	फाड प्रणाली	महाराष्ट्र
2.	अहार पाइन (Ahar Pynes)	बिहार
3.	ज़ाबो (Zabo)	लद्दाख

उपरोक्त में से कौन सही ढंग से सुमेलित है?

a) केवल 2
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.16) Solution (b)

Explanation:

भारत में पारंपरिक जल संचयन प्रणाली:

जल संचयन प्रणाली	क्षेत्र / राज्य
खुंद, झालरा, बावरी, खंडिन, बाओली	राजस्थान
पानम केनी	वायनाड
कुह्ल (Kuhls)	हिमाचल प्रदेश
जाबो या रूज़ा प्रणाली	नगालैंड
अहार पाइन	बिहार
जिंग	लद्दाख
फाड़ प्रणाली	महाराष्ट्र

Q.17) मानव भूगोल में निम्नलिखित में से कौन सा दृष्टिकोण नहीं है?

a) स्थानिक संगठन (Spatial Organisation)
b) क्षेत्रीय विभेद (Areal differentiation)
c) अन्वेषण और विवरण
d) सामाजिक-राजनीतिक दृष्टिकोण

Q.17) Solution (d)

Explanation:

दृष्टिकोण	व्यापक विशेषताएं
अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यवादी और व्यापारिक हित ने नए क्षेत्रों की खोज और अन्वेषण को प्रेरित किया। क्षेत्र के एक शब्दकोश का वर्णन भूगोलवेत्ता की जानकारी का एक महत्वपूर्ण पहलू बना।
क्षेत्रीय विश्लेषण	एक क्षेत्र के सभी पहलुओं का विस्तृत वर्णन किया गया। यह विचार था कि सभी क्षेत्र एक पूर्ण का हिस्सा थे, अर्थात (पृथ्वी); इसलिए, समग्रता में भाग को समझने से संपूर्ण की समझ पैदा होगी।
क्षेत्रीय विभेद	यहां ध्यान किसी भी क्षेत्र की विशिष्टता की पहचान करने तथा यह समझने में था कि यह कैसे और क्यों दूसरों से अलग था।
स्थानिक संगठन	कंप्यूटर और परिष्कृत सांख्यिकीय उपकरणों के उपयोग द्वारा चिह्नित। भौतिकी के नियम अक्सर मानव घटना के मानचित्र और विश्लेषण के लिए लागू होते थे। इस चरण को मात्रात्मक क्रांति कहा जाता था। मुख्य उद्देश्य विभिन्न मानवीय गतिविधियों के लिए अनुपयोगी पैटर्न की पहचान करना था।
मानवतावादी, कट्टरपंथी	1970 के दशक में मात्रात्मक क्रांति तथा भूगोल देखने के इसके अमानवीय तरीके से

और व्यवहारिक स्कूलों का उद्भव	असंतोष से मानव भूगोल के बारे में विचारों के तीन नए स्कूलों का उदय हुआ। मानव भूगोल को विचार के इन स्कूलों के उद्भव द्वारा सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकता के लिए अधिक प्रासंगिक बनाया गया था।

Q.18) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पालघाट दर्रा, पश्चिमी घाट को मुख्य सह्याद्री श्रेणी से अलग करता है
2. गुडालुर वह स्थान है जहाँ नीलगिरी, सह्याद्रि से जुड़ती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.18) Solution (c)

Basic Information:

भारत के पश्चिमी घाट:

- पश्चिमी घाट या सह्याद्रि उत्तर से दक्षिण की ओर डेक्कन पठार के पश्चिमी किनारे पर चलता है तथा पठार को अरब सागर के साथ एक संकीर्ण तटीय मैदान से पृथक करता है।
- यह सीमा गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा के पास, ताप्ती नदी के दक्षिण में शुरू होती है, और लगभग 1600 किमी महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल से होकर कन्याकुमारी में समाप्त होती है।
- पश्चिमी घाट को उत्तरी महाराष्ट्र में सह्याद्री, केरल में सह्या परवथम और तमिलनाडु में नीलगिरि मलाई के नाम से जाना जाता है। पश्चिमी घाट माथेरान, लोनावाला-खंडाला, महाबलेश्वर, पंचगनी, अंबोली घाट, कुद्रेमुख और कोडागु जैसे कई हिल स्टेशनों का घर है।
- पश्चिमी घाट का चरम उत्तरी भाग गुजरात के डांग जिले में पड़ता है, जिसे डांग (बांस) के जंगलों के लिए जाना जाता है।
- अनाईमुदी 2,695 मीटर है जो पश्चिमी घाट की सबसे ऊंची चोटी है। मुल्लयनगिरि कर्नाटक में 1,950 मीटर की सबसे ऊंची चोटी है। पश्चिमी घाट की छोटी श्रृंखलाओं में इलायची पहाड़ियाँ और नीलगिरी पहाड़ियाँ शामिल हैं। इलायची पहाड़ियाँ दक्षिण-पूर्व केरल और दक्षिण-पश्चिम तमिलनाडु में स्थित हैं।
- पश्चिमी घाट में जैसे तमिहनी घाट, पलक्कड़ दर्रा, नानेघाट, कासारा घाट आदि में कई महत्वपूर्ण दर्रे हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग को पालघाट दर्रे से मुख्य सहयाद्रि से पृथक किया गया है	नीलगिरी, गुडालुर के पास सहयाद्रि में शामिल हो जाती है। वे 2000 से अधिक ऊँची और 'पश्चिमी घाटों और पूर्वी घाटों के जंक्शन' के रूप में चिह्नित हैं

Q.19) भारत में प्रार्थना के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	प्रयाग	**नदियों का संगम**
1.	रुद्र प्रयाग	अलकनंदा और मंदाकिनी
2.	विष्णु प्रयाग	धौली गंगा और विष्णु गंगा

3. कर्ण प्रयाग अलकनंदा और पिंडर
4. देव प्रयाग अलकनंदा और भागीरथी

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

a) केवल 4
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 1, 3 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.19) Solution (d)

Explanation:

प्रयाग	नदियों का संगम
रुद्रप्रयाग	अलकनंदा और मंदाकिनी
देवप्रयाग	अलकनंदा और भागीरथी
विष्णु प्रयाग	धौली और विष्णु गंगा
कर्णप्रयाग	अलकनंदा और पिंडर

Q.20) निम्नलिखित में से कौन से/ सी वृक्षारोपण कृषि की विशेषता हैं?

1. बहु फसली खेती
2. श्रम गहन
3. आधुनिक तकनीक को अपनाना
4. पूंजी गहन

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 2, 3 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.20) Solution (c)

Explanation:

व्यावसायिक खेती का वह रूप, जहाँ लाभ के लिए फसलें उगाई जाती हैं, वृक्षारोपण कृषि कहलाती है

वृक्षारोपण कृषि की प्रमुख विशेषताएं:

- यह एक बड़े क्षेत्र पर प्रचलित एकल फसल खेती होती है।
- फसलें मुख्य रूप से बाजार के लिए उगाई जाती हैं।
- यह श्रम गहन और पूंजी गहन दोनों होती है।
- इसमें कृषि और उद्योग का एक इंटरफ़ेस होता है।
- बड़े पैमाने पर खेती के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाया जाता है।
- वृक्षारोपण प्रसंस्करण उद्योगों और बाजारों को जोड़ने वाले परिवहन और संचार के विकसित नेटवर्क वृक्षारोपण के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वृक्षारोपण फसलों के उदाहरण चाय, कॉफी, रबर, गन्ना और केला आदि हैं।

Q.21) जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान है।
2. इसका नाम ब्रिटिश शिकारी जिम एडवर्ड कॉर्बेट के नाम पर रखा गया है।
3. यह अरुणाचल प्रदेश राज्य में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 3
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.21) Solution (b)

- जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में बाघिन (tigress) में कोरोना वायरस के सकारात्मक होने की पुष्टि के बाद देहरादून के चिड़ियाघर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं, जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में दो आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं।
- केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डन (CWW) को हाई अलर्ट पर रहने के लिए कहा है।
- थ्री टियर सैनिटाइजेशन सिस्टम स्थापित किया गया है
- चिड़ियाघर में पहुंचने वाले कर्मचारियों को पहले एंट्री गेट पर और फिर जानवरों के करीब जाने के बाद सैनिटाइज किया जाता है। इसके अलावा, जानवरों के भोजन वाहन को सैनिटाइजेशन के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। इसके बाद, मांस और हरे चारे को अलग-अलग किया जाता है। इसी समय, जंगली जानवरों को खिलाने से पहले, इसे धोया जाता है और पोटेशियम परमैंगनेट से सूखाया जाता है।
- 1934 में, तत्कालीन गवर्नर सर विलियम हैली ने वकालत की कि इस क्षेत्र को वन्यजीवों के लिए संरक्षित किया जाना चाहिए। प्रख्यात शिकारी और बाद में वन्यजीव पर्यवेक्षक, जिम एडवर्ड कॉर्बेट को इसकी सीमा निर्धारित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।
- संयुक्त प्रांत राष्ट्रीय उद्यान अधिनियम के तहत 8 अगस्त 1936 को, यह हैली नेशनल पार्क के रूप में भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान बन गया। तब इसका नाम रामगंगा राष्ट्रीय उद्यान रखा गया था। 1956 में जिम एडवर्ड कॉर्बेट के निधन के बाद 1956 में पार्क का नाम बदलकर रामगंगा नेशनल पार्क से जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान कर दिया गया, जिसने इस क्षेत्र के लोगों को आदमखोर बाघ से मुक्त कर दिया था।

Q.22) वॉर्मीवेट (Wormivet) शब्द को कभी-कभी समाचारों में, किसके संदर्भ में देखा जाता है:

a) यह एक हर्बल मौखिक औषधि है जो मानव शरीर में वयस्क फ़ीता कृमि (tapeworm) को शक्तिहीन बना देती है।
b) यह COVID-19 शमन पर चौबीसों घंटे काम करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सुरक्षात्मक सूट है।
c) यह पशुधन के बीच अंत:परजीवी (कृमि) के संक्रमण का उपचार करने के लिए एक स्वदेशी हर्बल औषधि है।
d) यह पौधों की वृद्धि, मृदा स्वास्थ्य और पादप प्रणाली में प्रतिरक्षा प्रदान करने की वैज्ञानिक जाँच है।

Q.22) Solution (c)

- नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन इंडिया (NIF) ने पशुधन मालिकों के लिए वाणिज्यिक उत्पादों के रूप में " वॉर्मीवेट", एक स्वदेशी हर्बल दवा (dewormer) विकसित किया है।
- उत्पाद कृमि के उपचार की रासायनिक विधि का एक विकल्प होगा।
- वॉर्मीवेट पशुओं में अंत:परजीवी (कृमि) संक्रमण के उपचार के लिए एक औषधि है।

- अंतः परजीवी एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या है क्योंकि यह दस्त, शरीर के वजन में कमी, एनीमिया, प्रजनन स्वास्थ्य की चिंता का कारण बनता है, जिससे उत्पादकता और वृद्धि सीमित हो जाती है।

नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (NIF)

- यह मार्च 2000, अहमदाबाद, गुजरात में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की सहायता से स्थापित किया गया था।
- यह जमीनी स्तर पर तकनीकी नवाचारों और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान को मजबूत करने के लिए भारत की राष्ट्रीय पहल है।
- इसका मिशन भारत को जमीनी स्तर पर तकनीकी नवप्रवर्तकों के लिए नीति और संस्थागत स्थान का विस्तार करके एक रचनात्मक और ज्ञान-आधारित समाज बनने में मदद करना है।
- जमीनी स्तर पर नवाचारों को अनिवार्य रूप से जमीनी स्तर पर लोगों द्वारा लगातार समस्याओं से निपटने के लिए उत्पन्न समाधान होना चाहिए, जिनके समाधान भारत जैसे विकासशील देशों में उपभोक्ता जनता के एक बड़े वर्ग द्वारा उपलब्ध नहीं हैं या सस्ती नहीं हैं।

Q.23) निम्नलिखित में से कौन बिल ऑफ़ लैडिंग/ लदान बिल (BOL) के संदर्भ में सही ढंग से सुमेलित है :

1. ऑन-बोर्ड बीओएल (On-board BOL) - यह दर्शाता है कि माल को भौतिक रूप से एक शिपिंग पोत पर लोड किया गया है।
2. स्ट्रेट बीओएल (Straight BOL) - यह दर्शाता है कि माल प्राप्त हो गया है।
3. ऑर्डर बीओएल (Order BOL) - इसका उपयोग तब किया जाता है जब शिपमेंट से पहले भुगतान किया गया हो।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.23) Solution (a)

- **ऑन-बोर्ड बीओएल (On-board BOL)** बताता है कि माल को भौतिक रूप से एक शिपिंग पोत, जैसे कि एक मालवाहक या कार्गो विमान पर लोड किया गया है।
- **प्राप्ति का एक बिल-फॉर-शिपमेंट (received-for-shipment bill of lading)** यह दर्शाता है कि माल प्राप्त हो गया है।
- **स्ट्रेट बीओएल (Straight BOL)** का उपयोग शिपमेंट में अग्रिम भुगतान करते समय उपयोग किया जाता है और उपयुक्त पार्टी को माल पहुंचाने के लिए वाहक की आवश्यकता होती है।
- **ऑर्डर बीओएल (Order BOL)** का उपयोग तब किया जाता है जब भुगतान से पहले माल भेजते हैं, आयातक को माल पहुंचाने के लिए वाहक की आवश्यकता होती है।
- माल शिपमेंट को स्थानांतरित करने के लिए बिल ऑफ़ लैडिंग एक आवश्यक दस्तावेज है।
- **लदान बिल (BOL)** माल ढुलाई की रसीद के रूप में काम करता है, जो माल वाहक और शिपर के बीच एक अनुबंध है।
- लदान का बिल एक कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज है जो चालक और वाहक को माल लदान की प्रक्रिया करने और इसे सही तरीके से चालान करने के लिए आवश्यक सभी विवरण प्रदान करता है।
- एक लदान बिल एक कानूनी दस्तावेज है जो एक वाहक द्वारा एक शिपर को जारी किया जाता है जो सामान के प्रकार, मात्रा और गंतव्य का विवरण देता है।
- यदि सही तरीके से प्रबंधित और समीक्षा की जाती है, तो लदान बिल परिसंपत्ति चोरी को रोकने में मदद कर सकता है।

Q.24) नव विकास बैंक (NDB) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. बैंक की स्थापना सार्क देशों द्वारा की गई थी।
2. प्रत्येक सदस्य देश की समान हिस्सेदारी है तथा किसी भी देश के पास कोई वीटो शक्ति नहीं है।
3. NBD का मुख्यालय नई दिल्ली, भारत में स्थित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.24) Solution (c)

- बहुपक्षीय विकास बैंक अनिवार्य रूप से वैश्विक वित्तीय संस्थान हैं जो सड़कों, रेल, बंदरगाहों, बिजली और दूरसंचार जैसे स्थायी बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक वित्त प्रदान करने के लिए सरकारों द्वारा समर्थित हैं। यह आमतौर पर ऋण, इक्विटी, गारंटी और अन्य वित्तीय साधनों के रूप में किया जाता है।
- नव विकास बैंक (NDB) की स्थापना जुलाई 2015 में ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) द्वारा की गई थी।
- इसका मुख्यालय शंघाई, चीन में है
- बैंक का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे और सतत विकास के लिए धन जुटाना है।
- इसकी स्वामित्व संरचना अद्वितीय है, क्योंकि ब्रिक्स देशों में प्रत्येक की समान हिस्सेदारी है और किसी भी देश के पास वीटो शक्ति नहीं है।
- आर्थिक विकास के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए आवश्यक नए बुनियादी ढाँचे में निवेश बहुत कम हो रहा है। ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में इस वित्तपोषण अंतराल को भरने में मदद करने के लिए नव विकास बैंक (NDB) बनाया गया था, और समय के साथ इसका वैश्विक दायरा बढ़ने का इरादा था।
- NDB की योजना अपने पोर्टफोलियो में हरित बुनियादी ढांचे के स्टॉक को बढ़ाने की है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, सतत अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ परिवहन में निवेश को प्राथमिकता देना शामिल है।
- NDB पर हुए समझौते के अनुसार, "बैंक ऋण, गारंटी, इक्विटी भागीदारी और अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से सार्वजनिक या निजी परियोजनाओं का समर्थन करेगा।"

Q.25) प्लांट माइक्रोनीडल्स (plant microneedles) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे IIT मद्रास के इंजीनियरों की एक टीम ने डिजाइन किया है।
2. यह मानव ग्रेड पैच (human-grade patches) में प्रयुक्त रेशम से बना है।
3. इसका उपयोग उन रोगों के उपचार के लिए किया जाता है जो पौधों में संचार प्रणालियों को प्रभावित करते हैं तथा जिनका कीटनाशकों के साथ उपचार नहीं किया जा सकता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.25) Solution (b)

- माइक्रोनीडल्स (Microneedles) , जिसे शोधकर्ता phytoinjectors कहते हैं, को कई प्रकार के आकार और प्रकार में बनाया जा सकता है, और विशेष रूप से पौधे के जड़ों, तने, या पत्तियों तक या इसके जाइलम (जड़ों से पत्तियों में जल परिवहन में शामिल संवहनी ऊतक) या फ्लोएम में सामग्री पहुंचा सकता है।
- **एमआईटी इंजीनियरों ने माइक्रोनीडल्स** को डिज़ाइन किया जो बड़े पौधों के तने, पत्तियों, जड़ों या अन्य भागों पर रखा जा सकता है, कीटनाशकों जैसे पदार्थों को सीधे उनके संवहनी प्रणालियों में पहुंचाते हैं।

- विशिष्ट कीटनाशक के आधार पर, इस तरह के दृष्टिकोण को लेने से पत्तियों पर एक समाधान छिड़कने और इसे अवशोषित होने की प्रतीक्षा करने की तुलना में बहुत अधिक प्रभावी हो सकता है।
- जब पौधे को एक पारंपरिक हाइपोडर्मिक इंजेक्शन देने के लिए तुलना की जाती है, तो पैच का उपयोग करना कम काल्पनिक होता है, और पौधे के लिए हानिकारक नहीं होता है।
- यद्यपि प्लांट माइक्रोनीडल्स अभी रेशम से बना है, यह रेशम के समान प्रकार का नहीं है जो मानव-ग्रेड पैच में उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पौधों में आम तौर पर उनके मुकाबले कम पानी होता है, इसलिए सुइयों को घुलने में कुछ मदद की जरूरत होती है।
- यौगिक को जड़ों में ले जाने के लिए फ्लोएम को लक्षित किया जा सकता है, संवहनी ऊतक जो भोजन को स्थानांतरित करता है।

Q.26) 'सांझी पेपर कला' (Sanjhi Paper Art') हाल ही में समाचारों में थी। यह मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस राज्य से संबद्ध है?

a) गुजरात
b) महाराष्ट्र
c) उत्तर प्रदेश
d) राजस्थान

Q.26) Solution (c)

मथुरा से सांझी कला, वास्तव में एक अनूठा शिल्प रूप है जो अति सुंदर डिजाइन और जटिल चित्र रूपांकनों को कागज में काटता है।

यह कला 16 वीं और 17 वीं शताब्दी में बढ़ी, जब मंदिरों की दीवारों और फर्श को सांझी रूपांकनों से सजाया गया था। सांझी शब्द को हिंदी शब्द सैंधव से लिया गया है, जो शाम के समय की अवधि है, जिससे कला रूप आमतौर पर जुड़ा हुआ है। कला में कई रूपों में भारतीय पौराणिक कहानियों को दर्शाया गया है, जिसमें कृष्ण की लीला पर प्रमुख ध्यान दिया गया है।

Q.27) 'नए भारत के नवाचारों की त्वरित वृद्धि (Accelerating Growth of New India's Innovations-AGNIi)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के तहत एक समर्पित टीम द्वारा प्रायोजित है।
2. यह सरकारी प्रयोगशालाओं को उनके बाजार तैयार आविष्कारों के व्यावसायीकरण के लिए सहायता प्रदान करता है।
3. AGNIi केवल भारत में पंजीकृत कंपनियों / संगठनों के नवाचारों को स्वीकार करता है।

सही कथनों का चयन करें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.27) Solution (d)

भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के मार्गदर्शन और समर्थन के तहत नए भारत के नवाचारों की त्वरित वृद्धि या AGNIi आरंभ किया गया है। इसका उद्देश्य उद्योग, व्यक्तियों और जमीनी स्तर पर नवप्रवर्तकों को देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों का समर्थन करना है तथा उनके अभिनव समाधानों के व्यावसायीकरण में मदद करना है, जिससे भारत को समावेशी आर्थिक विकास के एक नए युग में मदद मिलेगी।

AGNIi नवप्रवर्तनकर्ताओं को लाइसेंसिंग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और बाजार पहुंच के लिए रास्ते बनाकर अपने बाजार तैयार उत्पादों को तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसके अलावा, AGNIi अपने नवाचार और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पहल का समर्थन करने और बढ़ाने के लिए नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है। हालांकि, AGNIi एक वित्तपोषण एजेंसी नहीं है और अन्वेषकों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करती है।

सेवाएं

- बाजार-तैयार स्वदेशी नवाचारों के लिए व्यावसायीकरण समर्थन की पहचान करना और प्रदान करना।
- मौजूदा नवाचार कार्यक्रमों के साथ सहयोग करना।
- अपने बाजार तैयार आविष्कारों के व्यावसायीकरण के लिए सरकारी प्रयोगशालाओं को समर्थन करना।
- वैज्ञानिकों, नवाचारियों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालयों की क्षमता निर्माण
- उद्योग और शिक्षाविदों के बीच की खाई को पाटना

AGNIi केवल भारत में पंजीकृत कंपनियों / संगठनों के नवाचारों को स्वीकार करता है। हालाँकि विदेशी कंपनियों को खरीदारों के रूप में पंजीकृत करने और संभावित अधिग्रहण के लिए बाज़ार का पता लगाने का स्वागत करती है।

Q.28) 'प्रतिचक्रीय पूंजी बफर (Countercyclical Capital Buffer -CCyB)' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह बेसल III पूंजी पर्याप्तता मानदंडों का हिस्सा है।
2. CCyB को इक्विटी कैपिटल के रूप में माना जाता है।
3. RBI के अनुसार, अनुसूचित बैंकों को 1% का CCyB बनाए रखना आवश्यक है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.28) Solution (b)

बेसल- III मानदंडों के बाद, केंद्रीय बैंक देश में बैंकों के लिए कुछ पूंजी पर्याप्तता मानदंडों को निर्दिष्ट करते हैं। CCyB ऐसे मानदंडों का एक हिस्सा है और इसकी गणना बैंक के जोखिम-भारित ऋण पुस्तिका के एक निश्चित प्रतिशत के रूप में की जाती है।

CCyB एक मंदी या संकटपूर्ण आर्थिक स्थितियों के प्रभाव का मुकाबला करने में बैंक की मदद करने के लिए काम करता है। CCCB के साथ, बैंकों को ऋण के तेजी से बढ़ने पर अच्छे समय के दौरान अपनी पूंजी के एक उच्च हिस्से को अलग करने की आवश्यकता होती है, ताकि अर्थव्यवस्था में संकट आने पर पूंजी को जारी किया जा सके और खराब समय के दौरान उपयोग किया जा सके।

CCCB को इक्विटी कैपिटल के रूप में माना जाता है, और यदि न्यूनतम बफर आवश्यकताओं का उल्लंघन होता है, तो पूंजी वितरण बाधाओं जैसे लाभांश और शेयर बायबैक की सीमाएं बैंक पर लागू की जा सकती हैं।

हालाँकि RBI ने 2015 में भारतीय बैंकों के लिए अपनी बेसल- III आवश्यकताओं के हिस्से के रूप में CCCB का प्रस्ताव दिया था, लेकिन वास्तव में CCCB को बनाए रखने की आवश्यकता नहीं थी, जिसके बाद से यह अनुपात शून्य प्रतिशत था। यह प्रत्येक वित्तीय वर्ष की पहली मौद्रिक नीति के भाग के रूप में RBI- क्रेडिट-GDP अंतर, GNPA में वृद्धि, उद्योग आउटलुक मूल्यांकन सूचकांक, ब्याज कवरेज अनुपात और अन्य संकेतकों की समीक्षा पर आधारित है।

Q.29) 'हयात तहरीर अल-शाम' हाल ही में समाचारों में था। यह मुख्य रूप से कहाँ संचालित है

a) सीरिया
b) यमन
c) नाइजीरिया
d) लीबिया

Q.29) Solution (a)

आमतौर पर तहरीर अल-शाम के रूप में जाना जाने वाला, सीरिया के गृह युद्ध में शामिल एक सक्रिय सुन्नी इस्लामवादी आतंकवादी समूह है। यह मुख्य रूप से सीरिया में संचालित होता है।

Q.30) 'मिल्क टी एलायंस' (Milk Tea Alliance) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह उन देशों का एक अंतर-सरकारी संगठन है जो दक्षिण चीन सागर की सीमा पर है।
2. यह दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय अधिकारों के उल्लंघन के लिए चीन के विरुद्ध एक सामूहिक दृष्टि के उद्देश्य से है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (d)

'मिल्क टी एलायंस' एक अनौपचारिक शब्द है जो सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं द्वारा गढ़ा गया है क्योंकि इस क्षेत्र में चीन के अपवाद के साथ, कई देशों में दूध के साथ चाय का सेवन किया जाता है। इसमें सक्रिय देश - हांगकांग, थाईलैंड, ताइवान हैं।